मेरा इन्तज़ार करना मैं वापस आऊँगा!

मिहिर

यह विशेषज्ञों का दौर है। इस दौर में या तो आप मिट्टी के कोर्ट के विशेषज्ञ हो सकते हैं या घास के कोर्ट के या फिर सख्त मैदान के, और या तो फिर आप रोजर फेडरर होते हैं!

– आठ बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन जिम्मी कॉनर्स

खिलाड़ी अक्सर अपनी प्रतिद्वंद्विताओं से जाने जाते हैं। मेरे जैसे क्रिकेट प्रेमी आज भी सचिन तेंदुलकर और शेन वॉर्न की बाईस गज की पट्टी पर देखी गई आपसी प्रतिद्वंद्विता को याद करते हैं। लेकिन क्रिकेट तो एक टीम-गेम है। व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा वाले खेल में आपसी प्रतिद्वंद्विताएँ और ज़्यादा महत्वपूर्ण हो जाती हैं। टेनिस के खेल ने पिछले कुछ सालों में ऐसी ही एक रोमांचक प्रतिद्वंद्विता देखी है – रोजर फेडरर और रफेल नडाल की। हालाँकि नडाल रोजर फेडरर से उमर में पाँच साल छोटे हैं। और उन्हें अपना आदर्श खिलाड़ी भी मानते हैं।

रोजर फेडरर का खेल घास के मैदान पर सबसे उम्दा तरीके से निखरकर आता है। घास के मैदान पर होने वाले विम्बलडन मुकाबले को वे लगातार पाँच बार जीत चुके हैं। पिछले साल वे नडाल से विम्बलडन फाइनल में हार गए थे लेकिन इस साल अपना खिताब जीतकर उन्होंने शानदार वापसी की है। हार्ड कोर्ट पर भी उनका कोई सानी नहीं। उनके नाम ग्रास कोर्ट पर लगातार 65 मैच जीतने का और हार्ड कोर्ट पर लगातार 56 मुकाबले जीतने का रिकॉर्ड है। जबकि रफेल नडाल क्ले कोर्ट (मिट्टी बिछा मैदान) के माहिर हैं। वे क्ले कोर्ट पर लगातार 81 मुकाबले जीत चुके हैं जो एक विश्व रिकॉर्ड है। पिछले तीन फ्रेंच ओपन (क्ले कोर्ट) फाइनल में उन्होंने फेडरर को लगातार मात दी है। लेकिन इस साल उनका जीत का रिकॉर्ड टूट गया और वे फाइनल से पहले ही मुकाबले से बाहर हो गए। फेडरर के लिए यह एक सुनहरा मौका था और उन्होंने पहली बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता।

रोजर फेडरर को आज दुनिया का सबसे महान खिलाड़ी माना जा रहा है। टेनिस आलोचक भी उन्हें टेनिस इतिहास का सबसे महान खिलाड़ी मान रहे हैं। अपने करियर में उनका जीत-हार का आँकड़ा 657 जीत और 155 हार का है। वे 15 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके हैं। इस मामले में भी वे सबसे आगे हैं। एक ही खिलाड़ी इसका अपवाद है और वह है रफेल नडाल। नडाल रोजर फेडरर के करियर में सबसे बड़ी चुनौती रहे हैं। दोनों के बीच अब तक हुए 20 मैचों में से नडाल ने 13 मैच जीते हैं। ग्रैंड स्लैम फाइनल में इनके बीच हुए खेलों में से नडाल ने 5 और फेडरर ने 2 जीते हैं। इन दोनों के बीच पिछले साल खेले गए विम्बलडन फाइनल को आलोचक टेनिस इतिहास का महानतम मैच गिनते हैं। 4 घण्टे और 48 मिनट तक चला यह फाइनल बेहतरीन टेनिस की एक मिसाल था। यह विम्बलडन इतिहास का सबसे लम्बा चलने वाला फाइनल था। इस मैच के साथ ही फेडरर का लगातार पाँच बार से विम्बलडन फाइनल जीतने का रिकार्ड टूटा। चार साल में पहली बार वे रैंकिंग में नम्बर एक की स्थिति से हटे। इस मैच के बाद बहुतों को लगा था कि अब फेडरर के दौर का अन्त हुआ। लेकिन एक सच्चे चैम्पियन की तरह उन्होंने कहा था – "मेरा इन्तज़ार करना, मैं वापस आऊँगा।"

और वे वापस आए। इस साल विम्बलडन का खिताब जीतने के साथ ही वे सबसे ज़्यादा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने पीट सैम्प्रास का रिकॉर्ड तोड़ा। इस मैच को देखने सैम्प्रास खुद मैदान में मौजूद थे। पीट सैम्प्रास ने इस मैच के बाद कहा कि अब जबकि फेडरर ने पेरिस में भी खिताब जीत लिया है तो मुझे यह कहने में कोई हर्ज नहीं लगता कि वे टेनिस इतिहास के महानतम खिलाड़ी हैं। जॉन मैकेनरो से लेकर ब्योन बोर्ग तक सभी ने रोजर को महान टेनिस खिलाड़ी माना है।

रोजर फेडरर टेनिस के पहले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने 20 ग्रैंड स्लैम फाइनल खेले हैं और 15 में जीत हासिल की है। उनका खेल सिर्फ उनकी सर्व या वॉली पर निर्भर नहीं। वे खेल के हर पक्ष में अपनी काबिलियत साबित करते हैं और इसीलिए उन्हें हराना इतना मुश्किल होता है। वे आम तौर पर 200 किलोमीटर की गति से सर्व करते हैं लेकिन उनकी तेज़ सर्व 220 किलोमीटर की गति-सीमा को छूती है। 2009 उनके लिए सुनहरा साल बनकर आया है जहाँ उन्होंने विम्बलडन और अपने करियर में पहली बार फ्रेंच ओपन जीता।

रफेल नडाल का खेल आक्रामक बेसलाइन स्ट्रोक और टॉपस्पिन लिए मैदानी शॉट्स से मिलकर बनता है। वे बाएँ हाथ के खिलाड़ी हैं जो दोनों हाथों से बैकहैंड मारते हैं। वे बेहद फुर्तीले खिलाड़ी हैं और उनका मैदान में चीते की तरह गेंद के पीछे भागना एक दर्शनीय नज़ारा होता है। उनके पास बेहतरीन ड्रॉप शॉट भी है और इसका वे बखूबी उपयोग करते हैं। नडाल को बेसलाइन का खिलाड़ी माना जाता है। और उनकी तकनीक क्ले कोर्ट पर प्रभावी साबित होती है। सर्व उनकी ताकत तो नहीं कही जा सकती लेकिन खेल के अन्य पक्षों में बेजोड़ खेल दिखाकर वे इसकी कमी पूरी कर लेते हैं। यूँ तो उन्हें क्ले का मास्टर माना जाता है लेकिन पिछले साल उन्होंने विम्बलडन में रोजर फेडरर को हराकर अपने खेल से सबको चकित कर दिया था।

सेरेना विलियम्स ने विम्बलडन 2009 का खिताब जीता

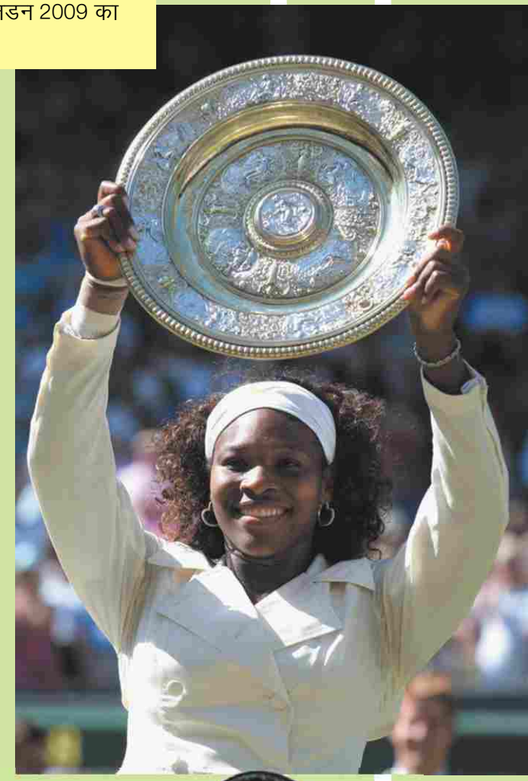

साइना नेहवाल सुपर सीरिज़ जीतने वाली पहली भारतीय हैं। दुनिया में बैडमिण्टन खेलने वाली छह सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ियों में उनका शुमार होता है।